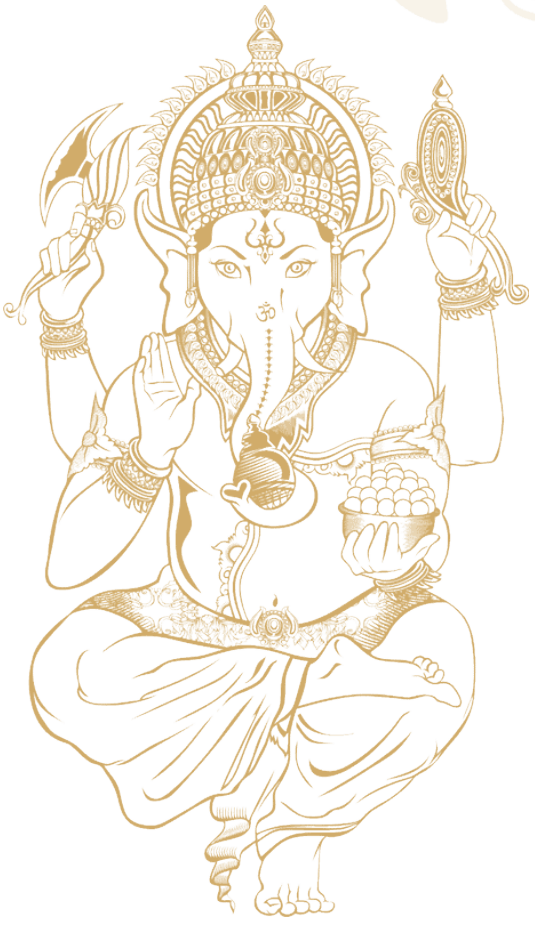

Ms. Ankita Anand

Mr Aman Aggrawal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120510802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/01/1994	जन्म तिथि	03/07/1995
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	13:05:00 घंटे
घटी 36:37:20	जन्म समय(घटी)	20:06:45 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Kanpur
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:03	सूर्योदय	05:20:00
17:26:39	सूर्यास्त	19:05:30
23:46:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:49

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 1मा 17दि		01:52:39	कन्या	लग्न	कन्या	28:27:40	शुक्र 14वर्ष 11मा 14दि	
गुरु		10:39:20	मक	सूर्य	मिथु	17:08:03	चन्द्र	
13/03/2013		04:30:50	मिथु	चंद्र	सिंह	16:41:45	16/06/2016	
13/03/2029		03:29:31	मक	मंगल	सिंह	25:51:03	17/06/2026	
गुरु	01/05/2015	24:12:28	मक	बुध	वृष	25:42:56	चन्द्र	17/04/2017
शनि	11/11/2017	19:02:08	तुला	गुरु व	वृश्चि	13:06:15	मंगल	16/11/2017
बुध	17/02/2020	12:28:04	मक	शुक्र	मिथु	03:48:20	राहु	18/05/2019
केतु	23/01/2021	05:43:22	कुंभ	शनि	मीन	00:56:51	गुरु	16/09/2020
शुक्र	24/09/2023	07:19:57	वृश्चि व	राहु व	तुला	09:02:02	शनि	17/04/2022
सूर्य	12/07/2024	07:19:57	वृष व	केतु व	मेष	09:02:02	बुध	16/09/2023
चन्द्र	11/11/2025	29:11:49	धनु	हर्ष व	मक	05:25:10	केतु	16/04/2024
मंगल	18/10/2026	27:34:28	धनु	नेप व	मक	00:44:12	शुक्र	16/12/2025
राहु	13/03/2029	03:55:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:21:58	सूर्य	17/06/2026

लग्न-चलित

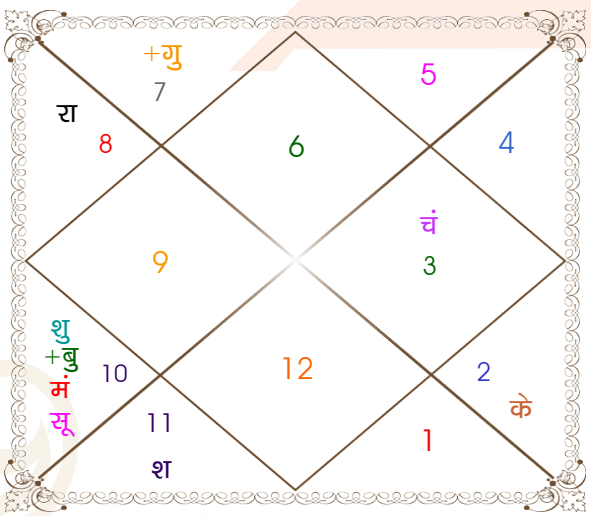

लग्न-चलित

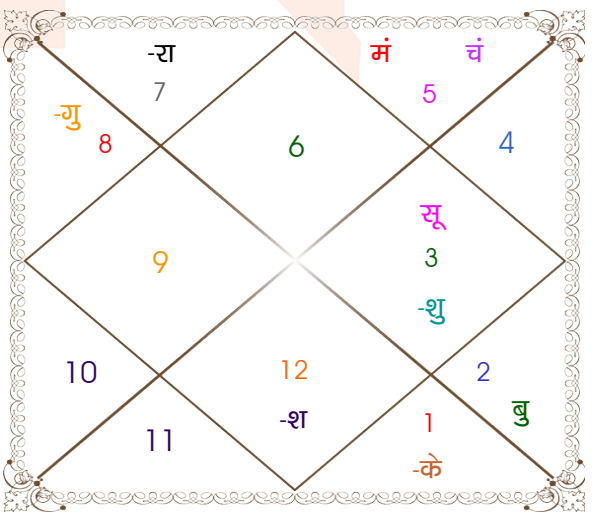

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण ।दापजं ।दंदक का नक्षत्र मृगशिरा है।

डेण ।दापजं ।दंदक का वर्ग मार्जार है तथा डत ।उंद ।हहतूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डेण ।दापजं ।दंदक और डत ।उंद ।हहतूंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डेण ।दापजं ।दंदक मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डत ।उंद ।हहतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डत ।उंद ।हहतूंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण ।दापजं ।दंदक कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डेण ।दापजं ।दंदक तथा डत ।उंद ।हहतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।